



भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

वर्ष 13 सं. 23 एवं 4
फरवरी से अप्रैल 2021

अनुक्रमिका

	पृष्ठ सं.
वार्षिक साधारण सभा	01
भारत का अमृत महोत्सव	01
महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष परामर्श	02
कार्यशालाएं/संगोष्ठी/बैठकें	04
प्रशिक्षण कार्यक्रम	05
प्रौद्योगिकी का स्थानांतरण	07
समझौता ज्ञापन	11
प्रकृति कार्यक्रम	11
जागरूकता और प्रदर्शन कार्यक्रम	11
वन विज्ञान केन्द्र के अन्तर्गत गतिविधियाँ	11
विविध	12
मानव संसाधन समाचार	12

भा.वा.अ.शि.प. की 27^{वीं} वार्षिक साधारण सभा



माननीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं भा.वा.अ.शि.प. सोसाइटी के अध्यक्ष, श्री प्रकाश जावडेकर की अध्यक्षता में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् (भा.वा.अ.शि.प.) सोसाइटी की 27^{वीं} वार्षिक साधारण सभा का आयोजन 25 मार्च 2021 को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली में किया गया।

भारत का अमृत महोत्सव

- “अमृत महोत्सव” के अन्तर्गत व.अ.सं., देहरादून ने 19 मार्च 2021 को “वन आनुवंशिक संरक्षण” तथा “वन उत्पादकता” विषय पर आभासी तकनीकी वार्ता का आयोजन किया।
- व.आ.वृ.प्र.सं. ने “अमृत महोत्सव” के समारोह के रूप में 19 मार्च 2021 को “अकृष्ट से धन – जनजातीय विकास के लिए व.आ.वृ.प्र.सं. की पहल” पर प्रशिक्षण का आयोजन किया। महिला स्वयं सहायता समूह (म.स्व.स.स.) में इरुलर जनजाति से 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने “अमृत महोत्सव” मनाने के लिए 16 अप्रैल 2021 को “भारतीय चन्दन प्रवर्धन एवं कृषि” पर ऑनलाइन अनन्य प्रश्नोत्तर

सत्र का आयोजन किया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में अलग-अलग राज्यों जैसे कर्नाटक, तमिलनाडू, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, बिहार, राजस्थान, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब आदि से 156 पंजीकृत प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें किसान, चन्दन उत्पादक, विद्यार्थी, शोधार्थी, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और अन्य शामिल हैं।

- व.व.अ.सं., जोरहाट ने “अमृत महोत्सव” मनाने के लिए 30 अप्रैल 2021 को “पूर्वोत्तर क्षेत्र में बांस के संरक्षण और संधारणीय उपयोग” विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।
- व.उ.सं., रांची ने “अमृत महोत्सव” मनाने के लिए 22 अप्रैल 2021 को श्री एच.एस.गुप्ता, पी.सी.सी.एफ.

(सेवानिवृत्त), झारखंड सरकार ने “स्वतंत्रता के सात दशक – नई निर्णायक अवस्था में भारतीय वानिकी” पर ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत किया।



व.व.अ.सं., जोरहाट ने “पूर्वोत्तर क्षेत्र में बांस के संरक्षण और संधारणीय उपयोग” विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- 371 प्रजातियों के लिए i) वर्गिकी, ii) विभिन्न भारतीय उप-क्षेत्रों में वितरण सीमा तथा iii) उनके मौसम-तत्व पर आंकड़ा संचय तैयार किया गया। तितलियों की 91 प्रजातियों के लिए स्थानीय एवं क्षेत्रीय बाहुल्यता की स्थिति, वन प्रकार संबंध भी निर्धारित किए गए, उनमें से जो पश्चिमी एवं मध्य हिमालय में सीमित हैं, उनका दुर्लभता विश्लेषण के लिए अध्ययन किया गया। एक अन्य प्रजाति को इसके नर जनन-द्रिय अध्ययन पर आधारित पहचान द्वारा आंकड़ा संचय में शामिल किया गया। 2005 से 2020 तक 3 कुल (पैपिलिओनिडी, पायरिडी एवं निम्फेलिडी) से संबंधित 723 से अधिक तितलियों के प्रतिदर्शों का नामांकन पूरा किया गया।
- उत्तराखंड में पश्चिमी हिमालयी ओक को संक्रमित करने वाले कीटों की 232 प्रजातियों: i) लेपिडोप्टेरा की 118 प्रजातियों ii) कोलियोप्टेरा की 98 प्रजातियों iii) हेमिप्टेरा की 16 प्रजातियों के लिए आंकड़ा संचय तैयार किया गया और प्रतिदर्शों का नामांकन प्रारंभ किया गया। प्रयोगशाला में खारसु ओक वेधक, जाइलोट्रेकस बेसिफुलीजिनोसस हेलेर, 1926 और बान ओक, क्वेरकस ल्यूकोट्राइकोफोरा पर्णसमूह का संभरण करने वाले लिमैट्रिड निष्पत्रक की एक प्रजाति के जीवन चक्र पर प्रयोग जारी हैं।
- प्रयोगशाला में पर्णनिष्पत्रक, क्लोसटेरा क्यूप्रेटा के विरुद्ध कृंतकीय प्रतिरोध जाँच के लिए 10 पोपलर कृंतकों के लिए परिक्षण किया गया। संभरण के विकल्प पर परिक्षण किया गया एवं पर्ण उपभोग क्षेत्र को अभिलिखित किया गया।
- सिक्किम से एकत्रित ट्राईकोसेन्थीज ड्यूनियाना उपप्रजा. क्लार्कई को समप्ररूप (अवाप्ति सं. 172768, 09.02.2021 को सम्मिलित) के रूप में डीडी पादपालय में शामिल किया गया।
- वन आनुवंशिक संसाधनों पर उत्कृष्टता केन्द्र का निर्माण परियोजना के अन्तर्गत उत्तराखंड से 20 प्रजातियों के लिए मध्यम अवधि बीज भंडारण हेतु बीज भंडारण नयाचार विकसित किया गया।
- राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली के जीनबैंक में -20°C पर संग्रहित बीज जननद्रव्य के दीर्घावधिक संरक्षण के लिए वन आनुवंशिक संसाधन परियोजना के अन्तर्गत 70 प्रजातियों को प्राथमिकता दी गई।
- अरुणाचल प्रदेश में उगाई जाने वाली वेलेरियाना जटामांसी की 5 आबादी को उनके प्रकंदों से पृथक सगंध तैलों की संरचना के लिए लक्षण वर्णित किया गया।
- उत्तराखंड में पाई जाने वाली टैक्सस बैक्काटा की 5 आबादी को उनकी सूचिका में 10-डि.ए.बी.-III की मात्राओं को निर्धारित तथा लक्षण वर्णित किया गया।
- गोपेश्वर, उखिमठ और चिरबटिया में पाए जाने वाले क्यूप्रेसस टोरुलोसा की 3 आबादी की सूचिका को जल आसवित किया गया तथा उनके सगंध तैल अंश निर्धारित किए गए।
- जिंक ऑक्साइड नैनोकण को मैन्जिफेरा इण्डिका, एजाडिरिक्टा इण्डिका, अकैशिया निलोटिका की गांठ से पृथक सत्त एवं शोरिया रोबस्टा तथा डलबर्जिया सिस्सु के बुरादे का उपयोग करके एफटी-आईआर स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा लक्षण वर्णित किया गया तथा ब्राउन रॉट और व्हाइट रॉट कवक के विरुद्ध उनकी जैवनाशी संभाव्यता का आकलन करने के लिए संश्लेषित किया गया।
- “गंगा नदी एवं उसकी तीन सहायक नदियों (रवासन-1, रवासन-2 एवं कोटावाली) के लिए नदी तल सामग्री के पुनर्भरण अध्ययन” परियोजना का प्रारूप अध्ययन प्रतिवेदन उत्तराखंड वन निगम को प्रस्तुत किया गया।
- संरक्षण प्राथमिकता की प्रजातियों (संकीर्ण वितरण सीमा वाली दुर्लभ प्रजाति) के लिए अन्तरालों की पहचान के लिए राज्य के i) 21 वन प्रकार एवं ii) सुरक्षित क्षेत्र नेटवर्क के संबंध में भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित मानचित्र तैयार किया गया। संबंधित वन प्रकार में बाहुल्य प्रजातियों पर 4 कुलों (पैपिलिओनिडी, पायरिडी, निम्फेलिडी, लाइसीनिडी) की 300 प्रजातियों के लिए आंकड़े संकलित किए गए।
- उत्तराखंड में पश्चिमी हिमालयी ओक को संक्रमित करने वाले कीटों की 235 प्रजातियों i) लेपिडोप्टेरा की 118 प्रजातियों ii) कोलियोप्टेरा की 100 प्रजातियों iii) हेमिप्टेरा की 16 प्रजातियों एवं iv) डिप्टेरा का आंकड़ा संचय अद्यतन किया गया। इसमें (i) वर्गीकरण एवं वर्गिकी (ii) कुछ प्रजातियों के लार्वा, प्यूपा, वयस्क (नर एवं मादा) और साथ ही अंडे के जीवन चक्र के चित्रों (iii) वितरण सीमा (iv) प्रतिदर्शों के अभिलेख एवं विवरण (v) ओक की संक्रमित प्रजातियां एवं अन्य आश्रय (vi) प्रकृति एवं आवास (vii) जीवन चक्र के विभिन्न चरणों का विवरण और उनके आकारिकीय गुण (viii) संदर्भ एवं साहित्य आदि पर सूचना शामिल है। उत्तराखंड में निष्पत्रक, वेधक और रस-चूसकों से संक्रमित चित्रित स्थलों के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित मानचित्र तैयार किया गया।
- उत्तराखंड के भटवारी और झाला में पाए जाने वाले क्यूप्रेसस टोरुलोसा की सूचिकाओं को जल-आसवित किया गया तथा उनके सगंध तैल अंश निर्धारित किए गए। चकराता (उत्तराखंड) में उगने वाले प्रीसेपिया यूटीलिस के बीजों से अलग किए गए वसा युक्त तेल के रासायनिक संघटन का परीक्षण किया गया। उत्तराखंड और शिमला (हिमाचल प्रदेश) के सात स्थानों में उगने वाले वृक्षों से एकत्रित क्यूप्रेसस टोरुलोसा के पत्तों में कुल फेनोलिक्स अंश (टीपीसी) और कुल फलेवेनोइड अंश (टीएफसी) निर्धारित की गईं और क्रमशः 178.11-208.21 mgGAE, और 75.23-85.19 mgQE से भिन्न पाई गईं। पुनिका ग्रेनटम के छिलके में टीपीसी और टीएफसी निर्धारित किए गए और 188.80 mgGAE और 0.27 mgQE पाए गए।
- हिमाचल प्रदेश (07), सिक्किम (01), नागालैंड (01), और मेघालय (03) में उगाई जाने वाली वेलेरियाना जटामांसी की आबादी को उनके प्रकंदों से पृथक सगंध तैलों की संरचना के लिए लक्षण वर्णित किया गया।
- क्यूप्रेसस टोरुलोसा पत्तियों से व्युत्पन्न मेथनॉलिक सत्त से डीपीपीएच मुक्त मूलज और H₂O₂ अपमार्जन परख में निर्धारित प्रभावी एंटीऑक्सीडेंट संभाव्यता व्यक्त की गई।
- अनुक्रिया सतह कार्यप्रणाली का उपयोग करते हुए पदार्थ का द्रव्य से अनुपात, पीएच और अवधि के संबंध में पुनिका ग्रेनटम के छिलके से रंजक निष्कर्षण के लिए विधि का अनुकूलन किया गया।

- थाइमस सरफाइलम से सगंध तैल का जीसी-एमएस विश्लेषण किया गया। तेल में भरपूर मात्रा में थाइमोल और कार्वाक्रोल था।
- भविष्य के जलवायु परिवर्तन की अनुक्रिया में हिमालयी चीर फिजेन्ट (कैटरियस वालिची) की आवास उपयुक्तता का अनुमान लगाने के लिए समष्टि प्रजाति वितरण प्रतिरूपण किया गया। अध्ययन में 2050 और 2070 के विभिन्न जलवायु परिदृश्यों की अनुक्रिया में जलवायुवीय अनुकूल आवासों में गिरावट और हिमालयी क्षेत्र में ऊपर की ओर स्थानांतरण रिपोर्ट किया गया।
- बढ़ते वायुमंडलीय तापमान की अनुक्रिया में लैजरस्ट्रोमिया स्पेशियोसा एल. की ऋतु जैविकीय घटना अर्थात् पर्ण प्रवर्तन, पर्ण परिपक्वता, पुष्प कली प्रवर्तन, आदि पर प्रेक्षण से यह पाया गया कि परिवेश तापमान की तुलना में बढ़ते वायुमंडलीय तापमान ने पर्ण प्रवर्तन (25-35 दिन) और पुष्प कली विरचन समय से पहले अभिप्रेरित किया।
- अब तक अभिलिखित "उत्तराखंड में विभिन्न वन आच्छादन के अन्तर्गत मृदा से कार्बन पृथक्करण और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन" आंकड़ों के औसत मानों पर अध्ययन ने साल वनस्पति $3.02 \mu\text{mol Co}_2\text{m}^{-2}\text{sec}^{-1}$ में चिरपाइन वनस्पति $2.71 \mu\text{mol Co}_2\text{m}^{-2}\text{sec}^{-1}$ की तुलना में उच्च Co_2 उत्सर्जन प्रकट किया। साल वनस्पति में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के ये औसत उच्च मान, औसत उच्च मृदा तापमान 19.50°C और मृदा आर्द्रता 25.59% के अनुरूप हैं।
- मसूरी वन प्रभाग के अन्तर्गत रायपुर वन परिक्षेत्र में वृक्षों की मृत्युता की जांच की गई और अनुसंधान प्रतिवेदन तैयार कर रोग नियंत्रण के लिए जिला वन अधिकारी, मसूरी को प्रस्तुत किया गया।

वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बतूर

- सारका असोका एक लाल-सूचीबद्ध वर्गक है जो कि गिरावट की स्थिति में है और जिनके संरक्षण की आवश्यकता है। अलग-अलग घटनाओं और व्यक्तियों की कम संख्या के कारण, विशिष्ट अंत्य-उपयोगों को पूरा करने के लिए प्रजातियों के अत्याधिक विदोहन के परिणामस्वरूप प्राकृतिक आवासों में इसकी संख्या घट गई। सारका असोका की कीमोप्रोफाइलिंग का उद्देश्य अपसारित अंश की पहचान करना है। टैनिन को दक्षिण भारत (तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल) से एकत्र किए गए 150 प्रतिदर्शों में प्रोफाइल किया गया। वजन की गई मात्रा वाले प्रत्येक प्रतिदर्श को एक स्वचालित टीएलसी एप्लीकेटर (CAMAG लिनोमैट 5, स्विट्जरलैंड) का उपयोग करके 5 मिमी बैंड में टीएलसी प्लेट पर देखा गया। प्रत्येक प्लेट में चिह्नक यौगिक की पांच अंशांकन पट्टियां थीं और छह द्विक सत्त देखे गए। प्लेटों को यूवी-254 एनएम प्रकाश के अन्तर्गत एक डिजीटल कैमरे का उपयोग करके अभिलिखित किया गया और क्वांटिस्कैन V3.0 सॉफ्टवेयर (बायोसॉफ्ट, यूके) का उपयोग करके संसाधित किया गया। सभी टीएलसी प्लेटों में चिह्नक यौगिक के लिए सहसंबंध गुणांक, R^2 , > 0.99 था। मानकों के रूप में एपिकैटेचिन, कैटेचोल, गैलिक एसिड, टैनिक एसिड, पाइरोगॉलोल और कैटेचिन एपिकैटेचिन। अलग-अलग आयु के प्रतिदर्शों के प्रोफाइल में स्पष्ट अंतर देखा जा सकता है।
- रक्त चंदन (टेरोकार्पस सैण्टालिनस) के अंतःकाष्ठ एवं छाल के प्रतिदर्शों के मेथनॉल सत्त को वस्त्र रंजक एवं लिपस्टिक बनाने के लिए उपयोग में लाने का प्रयास किया गया तथा उक्त उद्देश्य के लिए संभावित प्राकृतिक रंगद्रव्य पाए गए।
- कीटरोगजनक महत्व के काइटोसन प्रावृत अंतःपादप का जेटा संभाव्यता के साथ एसईएम और कण आकार विश्लेषण (पीएसए) जैसे नैनो लक्षण वर्णन किए गए। अध्ययन से इस बात की पुष्टि होती है कि काइटोसन से प्रावृत आठ अंतःपादप में से छह संदर्भ के अनुसार नैनो कण का अनुसरण करते हैं।
- ओपन टॉप चैंबर सुविधा में उन्नत CO_2 और उन्नत तापमान की अनुक्रिया के लिए व.आ.वृ.प्र.सं. के पवनरोधी कृतकों के बीच अंतः-विशिष्ट विविधताओं का आकलन करने के लिए एक अध्ययन किया गया। अध्ययन के लिए उपयोग किए गए व.आ.वृ.प्र.सं. के पवनरोधी कृतक हैं: आई.एफ.जी.टी.बी.-डब्ल्यूबीसी-1 (सीजे-8), आई.एफ.जी.टी.बी.-डब्ल्यूबीसी-2 (सीजे-6), आई.एफ.जी.टी.बी.-डब्ल्यूबीसी-3 (सीजे-18), और आई.एफ.जी.टी.बी.-डब्ल्यूबीसी-4 (सीजे-17)। इसके अलावा, तुलना के लिए दो चेक कृतकों का उपयोग किया गया, जो थे I) कैज्वारिना इक्वीसेटीफोलिया, X सी. झूंधूहनियाना हाइब्रिड कृतक (CJ-12) और MTP-27। इन कृतकों को विभिन्न उपचारों के लिए प्रस्तुत किया गया जैसे i) उन्नत CO_2 - @800ppm के साथ-साथ उन्नत तापमान (ECET), ii) आर्द्रक (EC) के उपयोग से कम तापमान के साथ केवल उन्नत CO_2 , iii) चैंबर कंट्रोल (ET) के रूप में केवल उन्नत तापमान और iv) परिवेश की स्थिति (AMP)। विभिन्न उपचारों के अन्तर्गत विभिन्न कृतकों के कुल शुष्क पदार्थ उत्पादन पर मुख्य प्रेक्षण से पता चला कि व.आ.वृ.प्र.सं. के एक पवनरोधी कृतक अर्थात् आई.एफ.जी.टी.बी.-डब्ल्यूबीसी-3 (CJ-18) ने उन्नत CO_2 वातावरण के अन्तर्गत 38% अधिक शुष्क पदार्थ का संचय किया। वर्तमान अध्ययन स्पष्ट रूप से पुष्टि करता है कि उन्नत CO_2 या उन्नत तापमान की अनुक्रिया के लिए अधिक अंतर-विशिष्ट भिन्नता (प्रजाति भिन्नता के भीतर) मौजूद है। यह अध्ययन भविष्य की जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल वृक्षों की किस्मों के चयन का अवसर प्रदान करता है।
- व.आ.वृ.प्र.सं. ने वृक्षों में नमक सहिष्णुता बढ़ाने के लिए सीआरआईएसपीआर/कैस मध्यस्थता जीन संपादन के लिए कार्यक्रम शुरू किए। यूकेलिप्टस में EcHKT1; 1 नॉक आउट उत्पन्न करने के लिए तीन परिवर्तन निर्माण विकसित किए गए जोकि हैं,
 - (i) pHKN29:Cas9_1,
 - (ii) pHKN29:Cas9_1:CaMV-sgRNA-HSP
 - (iii) pAtCas9_1:CaMV-sgRNA-HSP.
- इसके अतिरिक्त, EcHKT1;1 के जड़ विशिष्ट और लवण प्रेरणीय RNAi के माध्यम से अधोनियमन के लिए रूपांतरण कंस्ट्रक्ट भी सृजित किए गए जोकि हैं,
 - (i) pCAMBIA1305.1MsPRP2-EcHKT1;1 hpRNAi-HSP
 - (ii) pCAMBIA1305.1MsPRP2-GUSplus-HSP
 - (iii) pHKN29 MsPRP2-EcHKT1;1 hpRNAi-HSP.
 यूकेलिप्टस में लवण सहिष्णुता बढ़ाने के लिए इन निर्माणों का मूल्यांकन किया जाएगा।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- एक सर्वेक्षण के दौरान, बाड़मेर जिले में वृक्षों और आरोही प्रजातियों की 27 प्रजातियों के लिए ऋतुजैविकी और जनसंख्या का घनत्व

अभिलिखित किया गया। टेकोमेला अंडूलाटा, मोरिंगा कॉन्सेनेंसिस, स्टेरक्यूलिआ यूरेन्स, साल्वाडोरा पर्सिका, अकैशिया जैक्वेमोंटी और एफेड्रा फोलिएटा पुष्पण, जबकि मेरुआ ओब्लोंगिफोलिया और अकैशिया ल्यूकोफ्लोया फलन अवस्था में थे। टेकोमेला अंडूलाटा का जनसंख्या घनत्व 40–100 था, प्रोसोपिस सिनरेरिआ का 20–50, मोरिंगा कॉन्सेनेंसिस का 20–50, अकैशिया सेनेगल का 30–100, स्टेरक्यूलिआ यूरेन्स का 10–20 और कॉमीफोरा विघटी का 20–70 था।

- प्रोसोपिस ज्यूलीफ्लोरा के पुष्पक्रम एवं फली प्रतिदर्श जोधपुर और उसके आसपास से एकत्र किए गए और विभिन्न प्राचल दर्ज और कीट एकत्र किए गए। नागौर, बाड़मेर, पाली और जोधपुर क्षेत्रों से प्रोसोपिस ज्यूलीफ्लोरा की फलियों से बीज ब्रुचिड्स अल्गारोबियस प्रोसोपिस और कैरीडॉन सीरेटस की दो प्रजातियां एकत्रित की गईं।
- अन्य प्रयोगों में बीज ब्रुचिड्स कैरीडॉन सीरेटस की दो प्रजातियाँ प्रोसोपिस सिनरेरिया, अकैशिया टॉर्टिलिस, टैमरंडस इण्डिका और कौशिया फिस्टुला के बीजों को संक्रमित करते हुए पाए गए, जबकि अल्गारोबियस प्रोसोपिस को केवल दो प्रोसोपिस प्रजातियों से दर्ज किया गया।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- हिमाचल प्रदेश के चार क्षेत्रों में पाइनस जिरार्डियाना की 40 आबादी का सर्वेक्षण किया गया। किन्नौर जिले के जांगी में गिरियों में 83% अंकुरण और 14.8% प्रोटीन के साथ आबादी सबसे अच्छे बीज स्रोत के रूप में पाई गई।
- 60 वंश का प्रतिनिधित्व करने वाली 101 जंगली मशरूम प्रजातियों को एकत्रित किया गया और चंबा जिले के किन्नौर और भरमोर क्षेत्रों से पहचाना गया, जिसमें 17 खाद्य थे और 20 प्रजातियों का औषधीय महत्व था।
- ट्रिलियम गोवानियनम के वनस्पति प्रवर्धन विधियों का विकास किया। उसके लिए सबसे अच्छा इंडोल एसिटिक एसिड (आईएए) – 2000 पीपीएम पाया गया।
- व्यापक क्षेत्र सर्वेक्षण के बाद, क्षेत्र जीन बैंक (एफजीबी) के संग्रह और स्थापना के लिए हिमाचल प्रदेश के विभिन्न भौगोलिक स्थानों से 27 स्रोतों की पहचान की गई।

परामर्श

वर्तमान में 09 परामर्श परियोजनाओं के अन्तर्गत काम चल रहा है। फरवरी, मार्च और अप्रैल 2021 के महीने के दौरान किए गए कार्य निम्नानुसार हैं:

- एक नई परामर्श परियोजना 'महाराष्ट्र में पश्चिमी कोलफील्ड लिमिटेड के उमरेर ओसी कोयला खदान और निलजय ओसी कोयला खदान से संबंधित पारिस्थितिक अध्ययन' भा.वा.अ.शि.प. को दिया गया।
- कर्नाटक परियोजना और दाईतरी ओएमसी ओडिशा परियोजना आर एंड आर योजना, बी.सी.टी. के अन्तर्गत मैसर्स एस.ए. थवाब एंड कंपनी के एस.ए. थवाब लौह अयस्क खदान (एमएल संख्या 2488) और मैसर्स औरो खनिज के राजा कृष्णा देव राय (आरकेडीआर) लौह अयस्क खदान, (एमएल संख्या 2584) के लिए क्षेत्रीय आंकड़े एकत्रित किए गए।
- भा.वा.अ.शि.प., देहरादून में 9 फरवरी 2021 को वन जैव विविधता पर ईआरडी के प्रभाव के आकलन के संबंध में महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., की अध्यक्षता में डीजीएच, नोएडा हेड (आईडीटी), ओएनजीसी और हेड (केडीएमआईपीई), ओएनजीसी और उनकी संबंधित टीमों के साथ एक बैठक आयोजित की गई।
- अक्टूबर, 2019 से मार्च 2020 तक की अवधि के लिए वीपीएचईपी की सी.ए.टी. परियोजना का 8वां अर्ध वार्षिक तृतीय दल अनुश्रवण प्रतिवेदन टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को प्रस्तुत किया गया।
- मैसर्स औरो खनिज के राजा कृष्णा देव राय (आरकेडीआर) लौह अयस्क खदान, (एमएल सं. 2584) की उत्पादन क्षमता में वृद्धि पर भा.वा.अ.शि.प. प्रेक्षण (संदर्भ: सीईसी पत्र एफ नं. 2-75/सीईसी/एससी/2018-पीटी.X दिनांकित 16.06.2020) भारत के माननीय सुप्रीम कोर्ट के सीईसी को प्रस्तुत किया गया।
- 'कोयगुडम ओपनकास्ट-द्वितीय कोयला खदान परियोजना के लिए पर्यावरणीय और वन निकासी अनुपालन के आधार पर स्वतंत्र पर्यावरणीय लेखापरीक्षा' पर अंतिम प्रतिवेदन एससीसीएल, कोथगुडेम, तेलंगाना को प्रस्तुत किया गया।
- छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिला में ता, पारसा, पारसा पूर्व और केंट बेसेन तथा केंट विस्तार कोयला ब्लॉक समेत पूरे हसदेव अरंड कोयला क्षेत्र के जैव विविधता आकलन अध्ययन पर मसौदा प्रतिवेदन को अंतिम रूप देने का कार्य किया गया।
- विभिन्न राज्यों में एनटीपीसी लिमिटेड के त्वरित रोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत एनटीपीसी बागानों के वार्षिक (वर्ष 2020-21) अनुश्रवण के मसौदा प्रतिवेदन को अंतिम रूप देने का कार्य किया गया।
- विष्णुगढ़ पिपलकोटी हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना की सीएटी योजना के कार्यान्वयन के तृतीय दल अनुश्रवण के अन्तर्गत क्षेत्रीय आंकड़े संग्रहित करने के लिए फील्ड विज़िट आयोजित किया गया।

कार्यशालाएं / संगोष्ठी / बैठकें

क्र.स.	विषय	अवधि	लाभार्थी
वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून			
1.	क्लाइमेट चेंज मॉनिटरिंग इन इंडियन फॉरेस्ट, वे फॉरवर्ड पर वेबिनार	12 फरवरी 2021	राज्य वन विभाग, विश्वविद्यालयों एवं व.अ.सं. और भा.वा.अ.शि.प. के अन्य संस्थानों के अलावा भा.वा.अ.शि.प. की अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं के साझेदार संस्थान एवं शोधार्थी
2.	मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर वेबिनार	18 मार्च 2021	शोधकर्ता
3.	टिम्बर कूलिंग टावर्स: अनुसंधान, बाधाएं एवं अवसर पर वेबिनार	15 अप्रैल 2021	कूलिंग टावर्स से शोधकर्ता एवं स्टॉकहोल्डर

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बतूर

4.	तमिलनाडु के वृक्ष उत्पादकों और अन्य हितधारकों के लिए डिजिटल इंटरैक्टिव मंच का विकास और प्रचलन	26 मार्च 2021	तमिलनाडु के वृक्ष उत्पादक और अन्य हितधारक
----	---	---------------	---



तमिलनाडु के वृक्ष उत्पादकों और अन्य हितधारकों के लिए डिजिटल इंटरैक्टिव मंच के विकास और प्रचलन पर कार्यशाला

काष्ठ विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

5.	फाइटोप्लाज़्मा रोगों के प्रबंधन में चुनौतियों पर बैठक	5 फरवरी 2021	उद्योगपति, शिक्षाविदों, सेवारत भा.व.से. अधिकारी और भा.वा.अ.शि.प. अधिकारी और वैज्ञानिक
6.	एम एस रमैया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के सहयोग से बीटेक (काष्ठ विज्ञान) पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना पर बैठक	22 फरवरी 2021	-

7.	विकासशील उद्योग संस्थान की भागीदारी और काष्ठ आधारित क्षेत्र में उभरते मुद्दों के लिए कार्य पर बैठक	22 मार्च 2021	काष्ठ आधारित उद्योग और सहयोगी, अनुसंधान संगठन, वन विभाग
----	--	---------------	---

8.	वीडज़ टू वेल्थ पर वेबिनार	23 अप्रैल 2021	क.व.वि. से वरिष्ठ वन अधिकारी, निदेशक इपिटी, व.आ.सं., भा.वा.अ.शि.प. देहरादून, वानिकी कॉलेजों एवं अन्य संबद्ध संगठनों से वैज्ञानिक और वन अधिकारी
----	---------------------------	----------------	--

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

9.	बांस में मूल्य श्रृंखला के प्रसार, प्रबंधन और विकास पर संगोष्ठी	10 फरवरी 2021	शोधकर्ता, शिक्षाविद, किसान, विद्यार्थी तथा गैर सरकारी संगठन
----	---	---------------	---



बांस में मूल्य श्रृंखला के प्रसार, प्रबंधन और विकास पर संगोष्ठी

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

10.	जैव विविधता संरक्षण एवं वन आनुवंशिकी संसाधन प्रबंधन पर वेबिनार	5 फरवरी 2021	-
-----	--	--------------	---

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

11.	जैव विविधता संरक्षण एवं पारिस्थितिकीय सुरक्षा पर संगोष्ठी	26 फरवरी 2021	वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारी, शोध कर्मचारी, एवं विद्यार्थी
12.	वानिकी अनुसंधान, स्थायी वन प्रबंधन एवं आजीविका पर कार्यशाला	17 मार्च 2021	वन अधिकारी, वैज्ञानिक, प्रौफेसर, सहायक प्रौफेसर, तकनीकी अधिकारी, शोधार्थी, विद्यार्थी

13.	आकीविका सडरुथन ँव आरुथक वरकरस के लरर वन ँव वन उतरुडरु के डुरडंधन डर संगुषुठी	30 डररु 2021	वैकुकनरक, तकनीकी अधरकररी, शुुध करुडररी, ँव वररुधरुथी
-----	---	--------------	---

वन उतरुडरकतर संसुथरन, ररंकी

14.	लरख उतरुडरन के लरर डुरडुकुत डुरलेडररररररर के आनुवंशरक डुूलुडरंकन ँव संशुुधन तकनीकुुं डर संगुषुठी	12 डररु 2021	व.उ.सं., ररंकी के अधरकररी
-----	--	--------------	---------------------------

वन कैव वररुवधतर संसुथरन, हैदरररडरद

15.	कैव वररुवधतर संरकुषण ँव वन संसरधन डुरडंधन	5 डररुवररी 2021	-
-----	---	-----------------	---

16.	डररत डुं वन आनुवंशरकी संसरधन (व.आ.सं.) सुथरतर के संरकुषण ँव वरकरस के लरर ररषुुडुररु कररुडुरकडु डर संगुषुठी	2 डररु 2021	व.कै.वर.सं., हैदरररडरद के अधरकररी
-----	--	-------------	-----------------------------------

डरररसुथरतरकी डुरनरुनररवेशन वन अनुसंधरन केंदुर, डुरडरगररक

17.	"कडु कुकत डरदडुुं (ँलकेडुी) के संरकुषण, डुरडंधन ँव सुथररुथी उडुडुुग" डर वररुतर	19 डररु 2021	-
-----	---	--------------	---

डुरशरकुषण कररुडुरकडु

कुर.स.	वररुषडु	अवधर	लरडररुथी
--------	---------	------	----------

वन अनुसंधरन संसुथरन, देहररदुन

1.	सगंध तैल डुकुत डरदडुुं से सगंध तैल नरषुकुरषण	2 डररु 2021	डरसुुरी के डुंगलुु की कंडी, सैक, कडुडुुती कुषुतर ँव सुथरनीडु गरंवुुं के डुरगतरशुील करसरन
----	--	-------------	--

2.	पादपालय, काष्ठ संग्रहालय एवं वनस्पति उद्यान कृ प्रदर्शन	8 अप्रैल 2021	तकनीशियन
----	---	---------------	----------

3.	सुगंधित पादपों से सगंध तैल निष्कर्षण	26 अप्रैल 2021	सारस, उत्तरकाशी के किसान
----	--------------------------------------	----------------	--------------------------

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बतूर

4.	पादप वर्गीकरण और आर्थिक वनस्पति विज्ञान	8 से 10 फरवरी 2021	व.आ.वृ.प्र.सं. के तकनीकी सेवा कर्मचारी
----	---	--------------------	--

5.	वानिकी अनुसंधान में सांख्यिकीय विधि	15 से 18 फरवरी 2021	वैज्ञानिक और तकनीकी कर्मचारी
----	-------------------------------------	---------------------	------------------------------

6.	गुणवत्ता रोपण सामग्री निर्माता, वन कीटविज्ञान एवं कीट नियंत्रण, पादप ऊतक संस्कृति और इसके अनुप्रयोगों पर जीएसडीपी	22 फरवरी से 26 मार्च 2021	विभिन्न राज्यों के उद्यमी
----	---	---------------------------	---------------------------

7.	वृक्ष समृद्ध बायोबूस्टर के विकास पर क्षमता निर्माण	26 मार्च 2021	मारुथनिलम महिला स्वयं सहायता समूह की इरुलर जनजाति
----	--	---------------	---



पादप वर्गीकरण और आर्थिक वनस्पति विज्ञान

काष्ठ विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

8.	राज्य REDD+ एक्शन प्लान विकसित करने के लिए राज्य वन विभागों की क्षमता निर्माण	15 और 16 मार्च 2021	कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, गोवा के वन अधिकारी, भा.वि.सं. गा.कृ.वि.के., ए.टी.आर.ई.ई., सीस्टेप के वैज्ञानिक
----	---	---------------------	--

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

9.	पर्यावरण, जैव विविधता और आपदा जोखिम न्यूनन	24 से 26 फरवरी 2021	वैज्ञानिक, विद्यार्थी, शोधकर्ता एवं अन्य संबंधित हितधारक
----	--	---------------------	--

10.	पादप जैव प्रौद्योगिकी	15 से 19 और 22 से 26 फरवरी 2021	पूर्वस्नातक विद्यार्थी
11.	बांस आधारित कृषिवानिकी तंत्र: संरक्षण एवं प्रबंधन	12 मार्च 2021	किसान
12.	लाख उत्पादन, प्रसंस्करण और इसका प्रबंधन	18 और 19 मार्च 2021	महिला स्वयं सहायता समूह
13.	ऑर्गेनिक उर्वरक और इसके अनुप्रयोग की तैयारी पर नर्सरी कर्मचारियों की क्षमता निर्माण	13 से 21 मार्च 2021	छत्तीसगढ़ के आठ अलग-अलग वन विभागों से फ्रंट लाइन स्टाफ



लाख उत्पादन, प्रसंस्करण और इसका प्रबंधन पर प्रशिक्षण



पर्यावरण, जैव विविधता और आपदा जोखिम न्यूनन पर प्रशिक्षण

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

14.	लोगों के स्थायी विकास में वानिकी की भूमिका	4 और 5 फरवरी 2021	भा.व.से. अधिकारी
15.	बांस चारकोल उत्पादन और इष्टिकायन	9 से 11 फरवरी 2021	कार्बी आंगलॉग के ग्रामीण
16.	बांस प्ररोह प्रसंस्करण	15 से 17 फरवरी 2021	-
17.	बांस पौधशाला पद्धति, कृषि और प्रबंधन	12 अप्रैल 2021	क्षेत्र के कार्यकर्ता



विभिन्न मौसमी एनटीएफपी के बांस प्ररोह प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन पर प्रशिक्षण



बांस पौधशाला पद्धति, खेती और प्रबंधन पर प्रशिक्षण

शुषुकर वन अनुसंधान संस्थान, ओघडडर

18.	डररुस्थलों और अवरुडडरत कुषुतुरों की डरररस्थरतकर डुनःस्थरडन	27 जनवररी से 29 डररवररी 2021	वैज्ञरनकर और तकनीकी करुडरररी
19.	शुषुकर और अरुध-शुषुकर ररजस्थरन डें आओीवरकर के अवरसरुु डें वृदुध के लरर डररनरत करड डुरडुकुत अकरषुठ वन उतुडरद के डूलुडवरधन के डरधुडड से वीएडडडीसी/एसएओओी कर कुषडतर नररुडरण	1 से 5 डररवररी 2021	डुरकी देवी डरररर एसएओओी, ओडुुरी और डररदेव एसएओओी (सररुुही ओररर) के एसएओओी सदसुड, रेंओ वन अधरकररी, वनडरल और वन रकुषकर
20.	डरइओुडरइरस डेलरनरुुकरसरलुुन डरलुुु कर डूलुडवरधन (ओैड तैडरर कररनर)	23 से 26 डररुओ 2021	डररदेव सुवडुु सडरररतर सडुुह, सुुरडडगलर डुरकी देवी डरररर एसएओओी, ओडुुरी
21.	डरंस डें वरडुडरन डुरकर के ओैव उरुवरकुुु की उडडुओरगतर	15 डररुओ 2021	करसरन और वन वरडरग

डरडरलयन वन अनुसंधान संस्थान, शरडलर

22.	नरगओुठतररी (डुरररलयड डुुवरनीडनड) की डुुधशरलर एवुु डुरसरर तकनीकर	14 डररुओ 2021	करसरन एवुु डरररर डंडल के डुरतरनरधर
-----	---	---------------	------------------------------------

वन उतुडरदकरतर संस्थान, ररओी

23.	वरडुडरन डरररस्थरतकर तनुतुर/वन के कररुडन अनुकुरड कर आकरलन	3 से 5 डररवररी 2021	वरडुडरन डरर.वरर.अ.शरर.ड. संस्थरनुु के वैज्ञरनकर और अधरकररी
24.	शरहद, गड और ररल कर डुरसंसकररण और वरशुलेषण	9 से 11 डररवररी 2021	वरडुडरन डरर.वरर.अ.शरर.ड. संस्थरनुु के तकनीकी करुडरररी
25.	आणवरक ओैववरज्ञरन तकनीकर	24 और 25 डररवररी 2021	वरडुडरन डरर.वरर.अ.शरर.ड. संस्थरनुु के वैज्ञरनकर एवुु वैज्ञरनकर करुडरररी

वन ओैव वरररधतर संस्थान, हैदररडरद

26.	ओैव वरररधतर संरकुषण और वन संसरधन डुरडुधन	5 डररवररी 2021	-
-----	--	----------------	---

प्रौद्योगिकी का स्थानांतरण

व.अ.सं., देहरादून ने 30 मार्च 2021 को उत्तराखंड बांस और फाइबर विकास बोर्ड (यूबीएफडीबी), देहरादून को पाइन सूचिका (चिर्बध) से प्राकृतिक फाइबर के निष्कर्षण की तकनीक को स्थानांतरित कर दिया।

समझौता ज्ञापन

- एम.जी.आर. शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, चेन्नई के साथ काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु ने अकादमिक विकास में योगदान करने और अनुसंधान से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह एमओयू मार्च 2021 से 5 साल के लिए प्रभावी है।
- हिज़ली, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल में वीवीके गतिविधियों को पूरा करने के लिए वनों, विकास चक्र, पश्चिम बंगाल के संरक्षक के माध्यम से व.उ.सं., रांची और पश्चिम बंगाल वन विभाग के बीच पांच वर्षों की अवधि के लिए एमओयू का नवीनीकरण किया गया।

प्राकृति कार्यक्रम

- व.अ.सं., देहरादून ने केन्द्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए प्रकृति कार्यक्रम के अन्तर्गत अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस (आईडीएफ) –2021 के अवसर पर ऑनलाइन पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। 20 मार्च 2021 को "स्वस्थ मानवता के लिए स्वस्थ वन" थीम के साथ संबंधित स्कूलों में दो समूहों (जूनियर ग्रुप छठवीं से आठवीं कक्षा और सीनियर ग्रुप नौवीं कक्षा से बारहवीं कक्षा) में पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर के प्रतिनिधि ने "वन एवं पर्यावरण, ग्लोबल वार्मिंग एवं ग्रीनहाउस प्रभाव" पर छठवीं और सातवीं कक्षा के 88 विद्यार्थियों को व्याख्यान दिया। "प्रकृति कार्यक्रम" के अन्तर्गत, शु.व.अ.सं., जोधपुर द्वारा केन्द्रीय विद्यालय, तिनवरी में एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई।

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबतूर ने मार्च 2021 के दौरान विरुधुनगर जिले के नल्ली राजमार्ग से के. उसिलमपट्टी पर हरित राजमार्ग मिशन के अन्तर्गत एवेन्यू रोपण के कार्यान्वयन की दिशा में विरुधुनगर सामाजिक वन प्रभाग के वन अधिकारियों को एक ऑर्गेनिक विकास प्रवर्तक "ट्री रिच बूस्टर" का प्रदर्शन किया।

- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने लघु उद्योग भारती, कर्नाटक, भा.वि.सं. और एमएसएमई के सहयोग से 17 मार्च 2021 को किन्नल, कर्नाटक में टॉय क्लस्टर के विकास में तेजी लाने के लिए एक प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। हस्तशिल्प वस्तुओं के लिए काष्ठ संरक्षक उपचार के प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 150 कारीगरों ने भाग लिया।
- व.व.अ.सं., जोरहाट ने खेचओपल्ली, पश्चिमी सिक्किम में 8 मार्च 2021 को सिक्किम की पवित्र खेचओपल्ली झील (केपीएल) के संरक्षण के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। राज्य वन विभाग के अधिकारी, भूमि उपयोग और योजना, बागवानी, फ्रिज ग्रामीणों, जेएफएमसी और केपीएल प्रबंधन समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

वन विज्ञान केन्द्र के अन्तर्गत गतिविधियाँ

- एफ.आर.सी.ई.आर, प्रयागराज द्वारा 15 से 19 मार्च 2021 तक वीवीके, गोरखपुर में "कृषिवानिकी" पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।
- एफ.आर.सी.ई.आर, प्रयागराज ने 16 मार्च 2021 को केवीके प्रतापगढ़ में भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के लिए "अच्छे कृषि अभ्यासों" (जीएपी) पर प्रशिक्षण का आयोजन किया।

विविध

संस्थान	विशेष दिन/विषय	अवधि
व.अ.सं., देहरादून, व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबतूर, उ.व.अ.सं., जबलपुर, हि.व.अ.सं., शिमला	अंतरराष्ट्रीय वन दिवस-2021	मार्च 2021
का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु	विश्व काष्ठ दिवस	19 मार्च 2021
व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबतूर, का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु	पृथ्वी दिवस 2021	22 अप्रैल 2021
व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबतूर, का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु	डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती	15 अप्रैल 2021

मानव संसाधन समाचार

नियुक्ति

अधिकारी का नाम	तिथि
श्री मुथुप्रसाद टी., वैज्ञानिक- 'बी', भा.वा.अ.शि.प.	05.02.2021
श्री सचिन शर्मा, वैज्ञानिक- 'बी', शु.व.अ.सं., जोधपुर	08.02.2021
सुश्री अर्चना आर., वैज्ञानिक- 'बी', व.आ.वृ.प्र.सं. कोयम्बतूर	08.02.2021
श्री तजुम दोनी, वैज्ञानिक- 'बी', व.व.अ.सं., जोरहाट	08.02.2021
श्री वीर सिंह गौतम, वैज्ञानिक- 'बी', का.वि.प्रौ.सं., बैंगलुरु	15.02.2021
सुश्री अनीता, भा.व.से., (राज:2010), डीसीएफ, शु.व.अ.सं., जोधपुर	06.04.2021
श्री प्रेम चंद ज्ञानी, वैज्ञानिक- 'बी', व.व.अ.सं., जोरहाट	28.04.2021

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	तिथि
श्री सुशील कुमार कंबोज, एसटीओ, व.अ.सं., देहरादून	28.02.2021
श्री नित्यानंद महंत, एसटीओ, व.व.अ.सं., जोरहाट	28.02.2021
श्री साधन चंद्र मंडल, एसटीओ, व.अ.सं., देहरादून	31.03.2021
श्रीमती गायत्री चौधरी, एसटीए, शु.व.अ.सं., जोधपुर	31.03.2021
श्री महेश कुमार शर्मा, अनुभाग अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प.	31.03.2021
श्री सुदर्शन सिंह, सी.टी.ओ., भा.वा.अ.शि.प.	30.04.2021
डॉ. वी. मोहन, वैज्ञानिक- 'जी', व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बतूर	30.04.2021
डॉ. इंद्र देव आर्य, वैज्ञानिक- 'जी', शु.व.अ.सं., जोधपुर	30.04.2021
डॉ. सरोता आर्य, वैज्ञानिक- 'जी', शु.व.अ.सं., जोधपुर	30.04.2021

संप्रत्यावर्तन

अधिकारी का नाम
तिथि

सुश्री अरती चौधरी, भा.व.से. (एजीएमयूटी:2002), व.अ.सं., देहरादून	15.03.2021
सुश्री नीलिमा शाह, भा.व.से. (जम्मू-कश्मीर:2014), व.अ.सं., देहरादून	26.04.2021

सरंक्षक:

श्री अरुण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडल:

डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष

डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक

श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार), सदस्य

प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।

